प्रेस नोट

विवाह तय करने की पारम्परिक प्रक्रिया में बदलाव की आवश्यकता

आज के दौर में परिवारजन विभिन्न वैवाहिक समस्यों का सामना कर रहे है | उन्हें अपने योग्य बेटे-बेटियों के लिये योग्य रिश्तो की जानकारियों का अभाव है | रिश्तो की चयन की चली आ रही पारंपरिक प्रकिया से अवरोध है | ऐसा देखने में आ रहा है कि परिवरजन अपने मित्रो-रिश्तोदारों के साथ योग्य रिश्ता ढूंढने का प्रयास करते है | रिश्ते मिल भी जाये तो उन्हें विवाह में बदलना, रिश्तो का टिकाये रखना एवं परिवार में हमेशा खुशहाली रही ऐसा कम होता जा रहा है |

ऐसे समय में वैवाहिक, पारिवारिक, सामाजिक रूप से अनुभवों के आधार पर BJS के संस्थापक श्री. शांतिलालजी मुथ्था ने " रिश्ते चयन को लेकर पारंपरिक प्रक्रिया में बदलाव को लेकर एक चिंतन समाज के सामने प्रस्तुत किया है, जिसमे कैसी होगी यह प्रक्रिया, क्या होंगे गुण दोष एवं उससे रिश्ते तय करना कैसे आसन व लाभप्रद होंगा, इन विचारों को विस्तृत रूप से समाज व परिवारों तक पहुचाने के लिये दो घंटे का लेक्चर आयोजित किया गया हैं |

भारतीय जैन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी

श्री.....दिनांक.....समय.....

स्थान.....

पर समाज के समक्ष प्रस्तुत करेंगे |

अधिक जानकारी हेतू ....., मोबाइल ..... पर संपर्क करे |

.